

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 24]

नई बिल्ली, शनिवार, जून 13, 1981 (ज्येष्ठ 23, 1903)

No. 241

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 13, 1981 (JYAISTHA 23, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संबया थी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.)

विषय-सूची					
	वुबक		पुरुठ		
माग I—खंड 1—मारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों झौर असाविधिक भावेशों के संबंध में प्रधिसुचनाएं .	417	भाग II खंड 3-क मारन सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय मी सामिल है) भीर केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ बासित क्षेत्रों के प्रसासनों को छोड़कर) द्वारा जारी क्लिए गए मामान्य सांविधिक नियमों भीर सोविधिक मावेशों (जिनमें	•		
भाग I खंड 2भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालयों को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी सरकारी ग्राधिकारियों की		सामान्य रवकप की उपविधियों भी शामिल हैं) (के हिस्की में प्राधिकृत पाठ) (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपन के खंड 3 या खंड 4 में प्रताशित होते हैं .			
नियुक्तियों, पदोस्तियों भाषि के संबंध में भिर्धसूचनाएं	763	क्ष खाड अया थाड ४ म प्रशासित कृति ह	•		
भान I—वंड 3रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों भीर ग्रमणिश्रिक भाषेशों के संबंध में प्रधिसूचनाएं		भाग II—— चांड 4 रक्षा मन्नानय द्वारा जारी किए गए साविधिक वियम स्रोर भाषेण	*		
भाग I— खंड 4 — रक्षा मंझालय द्वारा जारी की गयी सरकारी प्रधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों ग्राधि के संबंध में प्रधिसूचनाएं	779	भाग III खंड 1उण्चतम स्थायालय, महालेखा परीक्षक, संबक्षोक सेवा प्रायोग, देलवे प्रशासनों, उण्च न्यायालयों घीर भारत सरकार के संबद्ध घीर प्रधोतस्य कार्यालयों द्वारा			
भाग II चंड 1 प्रधिनियम, मध्यादेश भीर विनियम	•	जारी की गयी भन्निसूचनाएं •	7267		
भाग II —— आर्थ 1 — क- प्रधितियमों, भड्यावेशों ग्रीर विनियमों काहिस्थी भाषा में प्राधिकत पाठ	•	भाग III कांड 2पैटेन्ट कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं भौर मोदिस	317		
भाग II चंड 2 विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के किल तथा रिपोर्टे	•	भाग III खंड 3 मुक्प भायुक्तों के प्राधिकार के भ्रधीन प्रयवाक्षारा नारी की गयी अधिसूचनाएं .	57		
भान IIखंड 3उप-खंड (i)भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालयों को छोड़कर) झौर केन्नीय प्राधिकरणों (संघ ग्रासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए सामान्य मोविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वकृप के भावेश		भाग IIIश्रंड 4विविध अधिसूचनाएं जिनमें सौविधिक निकायों द्वारा जारी को गयी अधिसूचनाएं, भावेक, विज्ञापन भौर नोटिन शामिल हैं	1411		
भौर उपविधियां भावि भी भामिल हैं)	*	भाग IVगैर-सरकारी व्यक्तियों ग्रीर गैर-सरकारी निकायों			
भाग II — संड 3 - उप-संड (ii) - भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) ग्रीर केन्द्रीय प्राधिकरणों (संध		हारा विज्ञापन मीर नोटिस	113		
शामित <b>क्षेत्रों</b> के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए मौतिधिक श्रावेण भीर प्रधिसूचनाएं .	*	भाग V-— प्रोग्रेजी ग्रीर हिस्दी दोनों में जन्म ग्रीर मृत्यु ग्रादि के प्रोक्तडों को दिखाने वाला भ्रमुपुरक	•		

# **CONTENTS**

	PAGE		PAGE
PART 1—SECTION 1.—Notifications relating to Resolu- tions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	417	PART II—SECTION 3-A.—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in section 3 or section 4 of the Gazette of India of General Statutory Rules and Statutory	
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	<b>76</b> 3	Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories)	
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Resolutions and non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence		PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	•
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	779	PART III—Section 1.—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Ad-	
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regula- tions	•	ministrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	7267
PART II—SECTION I-A.—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	•	PART III—Section 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta	317
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of the Select Committees on Bills  PART II—SECTION 3.—SUBSEC. (i).—General Sta- tutory Rules (including orders, bye-laws.	•	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	57
etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	•	PART III—Section 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1411
PART II—Section 3.—SubSec. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	113
(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	•	PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hind!	

# भाग I--खण्ड 1 PART I-SECTION 1

# (रका मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों ग्रोर संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

## राष्ट्रपति सचिवालय

## नदिविल्ली, विमांक 1 जूम 1981

सं 31-प्रेज/81— मुखिपत्र—दिनांक 1 जुलाई, 1972 के भारत के राजपत्र के भाग-I, खण्ड-1 में प्रकाशित इस सिचवालय की दिनांक 22 जून, 1972 की प्रक्षित्रभूजना सं 85-प्रेज/72 में निम्नलिखित संशोधम किया जाता है:—
कम संख्या 66 में—

"216416 कारपोरल राम कियोर गुप्ता, ए० एफ एस० झो०" के स्थान पर पर्के---

"216415 कारपोरल राम किशोर गुप्ता, ए० एफ० एम० ग्रो०"।

सं० 32-भेज/81--शुद्धिपत्र--दिनांक 4 मप्रैल, 1981 के भारत के राज्यत के भाग-I, खण्ड 1 में प्रकाशित इस स्विवालय की विनोक 26 जनवरी, 1981 की प्रधिसूचना सं० 25-प्रेज/81 में निम्नलिखित संगोधन किया जाता है:--- कम संख्या 51 में---

"205057 मास्टर वारट घकसर जन्मदेसन वेटारासन वैंकटजलम, एयरफील्ड सेफ्टी झोपरेटर" के स्थान पर पहुँ ---

"205057 मास्टर वारंट मफमर ब्रह्मदासन वैंकटारामन वैंकटचलम, एयर फील्ड सेंफ्टी ग्रोपरेटर"।

खोम राज गुप्त, राष्ट्रपति का उप सिंधव

## नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 1980

सं० 33-प्रेज ०/81---राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को जनकी प्रसाधारण कर्तकथपरायणता या साहस के लिए "वायु सेना मैडल/एयर फोर्स मैडल"-प्रदान किए जाने का सहये धनुमोदन करते हैं :----

 विग कमांडर प्रनिल सिपनिस (5859) फ्लाइंग (पागलट)

विंग कनांदर भिनल तिपनिस ने भारतीय वायु सेना की एक स्ववाद्भन की जुलाई, 1977 में कमान संभाली जब इस स्ववाद्भन को नेट विमानों के स्थान पर अमग्र. मिग बी० माई० एस० से लैस करने का निर्णंग किया गया था। इन्हें अपनी स्ववाद्भन नए स्थान पर जाने का भी आदेश मिला। नए स्वान पर स्ववाद्भन को दोबारा स्थापित करने के दौरान उत्पन्न हुई मनेक समस्याओं को सुलक्षाने के साथ-साथ इन्होंने अपनी बूनिट को पए विमानों से लैस करने के लिए भी काम किया। विमान मूमि घौर परीक्षण उपकरण जुटाने के सन्वन्ध में इन्होंने बहुत बारीकी से योजना बनाई मौर वागु कर्मी वल तथा तकनीकी स्टाफ को परीक्षण देने के लिए इस स्ववाद्भन को एक दक्ष यूनट के रूप में संगठित किया। इनकी निष्ठा घौर प्रेरणादायक नेतृत्व के कारण ही इनकी मल्य-अनुभवी स्ववाद्भन ने भपने पुनर्गठन के पहने ही वर्ष में दुर्घटना रहित उद्धान भरने भी महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की घौर पूरी तरह सक्षम 5 पायलटों तथा दिन में उद्धान भरने में सक्षम 7 पायलटो को प्रीपक्षित

किया । मिग भी० ग्राई० एस० बिमानों से जैस होने के 9 माह के भीतर ही स्क्याइन को पिवसी वायु कमान ग्रायुध प्रतियोगिता "ग्रर्जुन 1978" में भाग लेने को कहा गया था । स्क्याइन के कार्मिकों को नए,विमान चलाने का सीमित ग्रनुभव होने के बावजूव इस स्क्याइन ने ध्रमिंटें प्रतियोगिता में उड़ान भरने का प्रशंसनीय प्रवर्शन किया ।

विंग कमांबर तिपनिस ने योजना, संगठन ग्रीर व्यक्तियों से काम नेने की अमता भौसत से कहीं अधिक है। व्यावसायिक अमता में इनका सबसे प्रशंसनीय योगवान यह रहा कि इनकी सभी उड़ानें वुर्धटना रहित रही हैं। इनकी यूनिट ने वर्ष भर में दो बार शत-प्रतिशन आर्थ अमता का लक्ष्य भी प्राप्त किया है।

इस प्रकार विंग कमांडर अनिल तिपनिम ने ग्रसाधारण कोटि की व्यावसारिक कृशलता तथा कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया है।

 स्क्याड्रन लीडर माइकल मैकमोहन (7399), फ्लाइंग (पायलट)।

स्ववाङ्गम लीडर माध्यकल मैकमोहन को सितम्बर, 1977 में सामरिक तथा काम्बेट विकास प्रथिक्षण स्थापना में दोबारा सैनात किया गया । इससे पहले ये इस स्थापना में फरवरी, 1973 से जून, 1975 तक काम कर मुके थे।

दूसरी तैनाती के वक्त इन्हें प्रशिक्षण कार्यभारी प्रधिकारी नियुक्त किया गया । यहां इन्होंने फाइटर काम्बेट लीडर की प्रशिक्षण विधि में सुझाए गए सुधार लागू किए जिसके परिणामस्वरूप वहां प्रशंसनीय कार्य हुआ। उक्त पद पर काम करने के भ्रतिरिक्त इन्होंने जनवरी, 1978 में विकास कार्यों के कार्यभारी भ्रफसर का काम भी संभाला । इस झवधि में इनकी स्थापना ने हवाई युद्ध कौशल के नरीके पारंगत किए भीर स्थापना को सौंपे गए भन्य विकास कार्य पूरे किए ।

जुलाई, 1978 में स्क्वाड़न लीडर माईकल मैकमोहन को सिगनल. यूनिट फ्लाइट कमांडर नियुक्त किया गया । इस पद पर काम करते हुए इन्होंने भ्रम्यास कार्यों में उड़ान के खतरों के बावजूद स्थापना में उड़ान सुरक्षा का स्तर बहुत ऊंचा बनाए रखा है ।

इस प्रकार स्क्वाड्रन लीडर माइकल मैकमोहन ने असाधारण कोदि-की व्यावसायिक कुत्रावता तथा कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया है ।

3. स्वथाकून लीडर शिवराम कृष्णन कल्याणरमण (7704), पलाइट (पायलट)

स्वयाद्रत लीकर शिवरामकृष्णन कर्याणरमन को ध्रप्रैल, 1978 में हैलिकाप्टर ट्रेनिंग स्कूल में नियुक्त किया गया । 10 महोने की ध्रविध के ग्रन्वर ये 310 बंटे की उड़ान कर चुके हैं ग्रीर बिना किसी रक्षायट के वो हैलिकाप्टर कनवर्णन पाट्यक्रमो ग्रीर दो तवर्थ हैलिकाप्टर कनवर्णन पाट्यक्रमों पर समय पर सम्पन्न कराने में इनका मुख्य योगवान रहा है । इनके उत्कृष्ट नेतृत्व ने हैलिकाप्टर प्रिशिक्षण स्कूल को 1978 में 3844: 50 बंटे की वुर्षटन/बटना रहित उड़ान भरने के योग्य बनाया जिसके फलस्वकृष स्कूल ने हैड क्वार्टर ट्रेनिंग कमान प्लाइट सेपटी ट्राफी जीती । नवस्वर, 1978 में इनको यूनिट की श्रीलंका में तूफाम राहत कार्य के लिए दो हैलिकाप्टरों की एक दुकड़ी भेजने के लिए कहा गया। इस टुकड़ी का नेतृत्व स्कवाडून लीडर कल्याणरमन ने किया धौर 163 उड़ानों में तूफान पीडित लोगों के लिए 1,00,000 पौंड से श्रिष्ठक खाद्य सामग्री भौर दवाईयों के पैकेट गिराए। इन्होंने स्वयं 85 उड़ानें भरीं। राहत कार्य के दौरान इन्हें 15 दिन की ग्रम्थ से ग्रिष्ठक लगभग 18 यंटे कार्य करना पड़ा।

इस तरह स्ववाङ्गन लीडर शिवरामकृष्णन कल्याणरमण ने व्यावसायिक कृशलता, उच्च कोटि का नेतृत्व तथा श्रसाधारण कर्त्तंव्यपरायणता का परिचय दिया है ।

 स्वाड्रन लीडर सुरजीत सिंह (8148), स्वाड्रम (पायलट)

स्वसाङ्गन लीडर सुरजीत सिंह 15 साल की सेवा ध्रवधि में 2500 कंटे से अधिक उड़ान कर चुके हैं। चार साल से भी अधिक समय से ये पलाइट कमांडर तथा फाइटर काम्बेट लीडर रहे हैं। इस दौरान इन्होंने बड़ी संख्या में पायलटों को संजियारमक प्रसिक्षण विया है। जनवरी, 1970 से ये मिग विमान की 2325 उड़ानों में 1600 चंटों की उड़ान कर चुके हैं। इस सारी भवधि में इनका वुर्षटना रहित उड़ान करने का रिकार्ड है।

इस प्रकार स्क्याहून लीडर सुरजीत सिंह ने ग्रसाधारण कोटि की ज्यावसायिक कृशलता तथा कर्ताज्यपरायणता का परिचय दिया है।

स्क्वाड्रन लीडर लेनिथ फ्रोसबेल जान (8422),
 फ्लाइंग (पायलट) (मरणोपरान्त)

स्वयाङ्गन लीडर लेनिय भोसवेल जान फरवरी, 1976 में नवस्वर, 1978 तक एयर फोर्स स्ववाङ्गन में नियुक्त थे जहां उन्हें भ्रवणाचल प्रवेश श्रीर मागालेंड के इलाकों में संक्रियात्मक उड़ान का कार्य सींपा गया था। उड़ान में उनकी बहुत अधिक रिष्ण थी। भपने भाराम की परवाह किए बिना रात को उन्होंने कठिन उड़ाने भरी। प्लाइंग पायलट के रूप में यह उनकी उपलब्धि है कि इस यूनिट में रहते हुए इतनी कम भविध में उन्होंने 1060 घंटे उड़ान भरी। उन्होंने कुल 3917 घंटे की उड़ानें भरी हैं जिसमें से 1340 घंटे की उड़ानें संक्रियात्मक क्षेत्रों में भरी गई। उनका उस्साह, परिश्रम की भीर कर्संब्परायणता की उच्च भावना, जिसने उन्हें भीसत ब्यावसायिक स्तर से ऊपर उठा विया था, दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रीत रहा।

उनकी उड़ान भरने की उच्च क्षमता भीर अनुभवों से लाभ उठाने के लिए उन्हें पलाइट कमांडर, स्वयाङ्गन डिटेचमेंट कमांडर तथा ट्रेनिंग प्रफरार का वायित्व सींपा गया था। पलाइट कमांडर के पद पर काम करते हुए उन्होंने पलाइट प्राफिस में व्यवस्थित रूप से काम करने की शुकरात की जिससे वायु कर्मियों की काम करने की क्षमता बढ़ी और उनकी चकान कम हुई। डिटेचमेंट कमांडर के रूप में उन्होंने बड़ी कुमालता से अपने जवानों की प्रशासिमक स्वा कल्याण संबंधी समस्याएं सुलझाई भीर उनके सामने अपना उवाहरण प्रस्तुत करके उन्हें उड़ान में उच्च कमाता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। ट्रेनिंग अफसर के रूप में उन्होंने अपने कुशल नेतृत्व भीर गहन प्रशाक्षण व्यवस्था से पायलटों का व्यावसायिक स्तर बढ़ाया जिससे कुल मिलाकर यूनिट के संक्रियारमक स्तर में सुधार हुआ।

उड़ान-स्तर को उसत करने के प्रलाघा स्ववाड़न लीडर श्रोसवेल जान का प्रापित स्वयाड़न की श्रन्य गिसविधियों से भी गहरा लगाव था। स्वय एक उत्साही खिलाड़ी होने के नाते वे हमेशा खेलकूद के कियाकलायों में सिक्य रूप से भाग लिया करते थे। इसी के कारण उनकी स्वयाड़न को ख्यांति मिली। खेलों से वे किस कदर जुड़े हुए थे इसका सबूत इसी बात से मिलता है कि वाजिक खेल-कूप प्रतियोगिता के दौरान खेल के भवान में गिर जाने के कारण ही उनकी मस्यु हुई।

इस प्रकार स्ववाङ्गन लीडर लेनिय धोसवेल जान ने घसाधारण कोटि की व्यावसायिक कुगलता, नेतृत्व धौर कर्तव्यपरायणता का परिचय विया।  280090 साजेंट राज नारायण चौबे, इलेक्ट्रिकल फिटर

सार्जेंट राज नारायण चौबे अप्रैल, 1965 में भारतीय बायु सेना में भर्ती हुए । अक्तूबर, 1977 से ये 11 एयर फोर्स बिंग में काम कर रहे हैं।

एयर फोर्स स्टेशन में एक दस टन की कीलस-केन मरम्मत क हो पाने के कारण 5 साल से पड़ी हुई थी। क्षेन की तारें सड़ गई थीं ग्रीर उसमें लगे बिजली के उपकरण भी खराब हो चुके थे। ऐसी स्थित में पूरी जानकारी ग्रीर बिजली के तारों के डायशम के बिना इसे ठीक करना संभव नहीं था। स्थानीय बाजार से भी कीई सहायता न मिल सकी। इस तरह की केनों का ज्यापार करने वाली एकमाल फर्म मैंससं ट्रैक्टर इंडिया लिमिटेड की कोटेणन के अनुसार उनके इंजीनियर की केन की जांच-पड़नाल करने के लिए प्रतिदिन 360 रुपये तथा कलकत्ता से माने तथा वापम जाने का हवाई याला का खर्च देना था। मतः केन की मरम्मत करना किफायती न समझकर इसे वैसे ही रखने का निर्णय किया गया।

ऐसी स्थिति में सार्जेट चौबे ने केन की मरम्मत करने की पेशकथ की। इन्होंने अकेले ही केन में लगे विजली के खराब उपकरणों को ठीक किया और नए सिरे से उसमें तारें लगाई और इस प्रकार अपनी उरक्रष्ट कार्य कुशलता का परिचय दिया। इस तरह इन्होंने केन को ठीक ही नहीं किया, जो एयर फोर्स स्टेशन के लिए अस्यावश्यक उपकरण है, बल्कि सरकारी खर्च में भी काफी बचत की।

एयर फीर्स स्टेशन में सेना की गाड़ियां बहुत प्रधिक खराब रहां करती थीं भीर ज्यादातर गाड़ियां मार्ट सिकंट तथा इलेक्ट्रिकल स्नेग के कारण अक्सर खराब हो जाया करती थीं । अगस्स, 1978 में सार्जेंट जीवे ने मरम्मत करने कायह किंटन काम अपने हाथ में ने लिया । इन्होंने मैंकेनिकल ट्रांसपोर्ट रिपेयर एण्ड सिविसिंग के लिए बिजली की व्यवस्था की और छोटे-बड़े सभी तरह के जेनरेटरों, डायनमों, स्टाटेंर तथा वाल्टेज रेग्यूलेटरों के परीक्षण, खराबी का पता लगाना तथा मरम्मत के लिए स्थानीय साधनों से ही मुविधाएं जुटाई । इनके कार्यकाल के वौरान रिवाइडिंग के सिवाय कभा भी कोई वाल्टेज रेग्यूलेटर, स्टाटेंर और जनरेटर स्थानीय बाजार में मरम्मत ग्रांवि के लिए नहीं भेजा गया । इससे न केवल सरकारी धन की बहुत अधिक अचत हुई बल्कि स्थानीय बाजार में मरम्मत श्रांवि के लिए नहीं भेजा गया । इससे न केवल सरकारी धन की बहुत अधिक अचत हुई बल्कि स्थानीय बाजार में मस्मरत के लिए भेजने के कारण सामान्यतः होने वाली देरी से भी बचा जा सका । तुरन्त मरम्मत सुविधा उपलब्ध होने के कारण वाहनों की विधृत प्रणाली की कार्यक्षमता भी शत-प्रतिशत बनाई जा सकी ।

इस तरह सार्जेंट राज नारायण चौने ने ग्रसाधारण कोटि की व्याद-सायिक कुशलता, दुढ़ संकल्प तथा कत्तंव्यपरायणता का परिचय दिया है।

सं० 34-प्रेज ०/81---राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को ग्रसाधारण कर्त्तं व्यपरायणता या साहस के लिए "वायु सेना मैडल/एयर फोर्स मैडल" का बार प्रदान किए जाने का सहर्ष ग्रनुमोदन करने हैं:---

विंग कमोडर इन्दर पुरी बी० एम० (96499)

फ्लाइंग (पायलट)

विंग कमोबर इन्दर पुरी को मई, 1962 में भारतीय वायुसेना में कमीशन दिया गया ! सेवा आरम्भ करने के समय से ही परिवहन पायलट के रूप में इनकी कार्य कुशलता स्पष्ट झलकने लगी थी छौर 1965 में कच्छ में हुई लड़ाई के दौरान इसके लिए इन्हें बायु सेना मैडल से सम्मानित किया गया था । 1966 तक इन्होंने एक हजार से भी मिश्रक बंटों की संक्रियारमक उड़ानें पूरी कर ली थीं ।

1967 में इन्होंने फ्लाइंग ईस्ट्रक्टर का पाठ्यकम सफलतापूर्वक पूरा किया और फिर प्रारम्भिक उड़ान स्कूल, वायुसेना उड़ान कामेज तथा परिवहन प्रशिक्षण विंग में एक योग्य इंस्ट्रक्टर के रूप में महस्वपूर्ण कार्य भविध्यों सम्पन्न कीं । 1971 तक ये एक हजार से भी प्रधिक वंटों की निर्देशात्मक उड़ार्ने भर चुके थे। प्रगस्त 1971 मे एयर प्राफिसर कमार्डिंग इन चीफ ट्रेनिंग कमांड ने इनकी प्रशिक्षण मे उत्कृष्ट योगवान के लिए इन्हें प्रशस्ति पन्न से सम्मानिस किया।

1971 मे भारत-पाकिस्तान सधर्ष के दौरान एयर बिलीयरी पलाइट के कमान अफसर के रूप मे पूर्वी और पिछलमी क्षेत्रों मे अग्निम मोर्चें की स्वताइनों के लिए इन्होंने सभारिकी तथा अनुरक्षण सहायता की व्यवस्था लगातार बनाए रखी । इस अगाधारण कर्तव्यपरायणता के लिए इनका "विशेष नामोरनेख" किया गया था । 1972 में इन्हें विशेष रूप से "कप्तान" चुनकर सीमा सुरक्षा दल की वायु शाखा मे नियुक्त किया गया । वहां वायु शाखा के परा-सैन्य दल की सगठित करने का श्रेय इन्हीं को जाता है । इन्होंने बहुन कठिन और कभी-कभी अहुत दुसाध्यपूर्ण कार्य सतीधजनक हग से पूरे किए। इस कार्य काल मे इनकी इस प्रश्नसनीय सेवा के लिए सीमा सुरक्षा दल ने इन्हों कमाडेट का अवैतिनक रैंक दिया ।

1975 में लिंग कमाहर पूरी स्टाफ कालेज के स्तातक बने । जनवरी, 1977 में मुख्यालय केन्द्रीय वायु कमान में रहते हुए वायु प्रफलर कमांदिग इन चीफ ने इनकी उत्कृष्ट कार्य- हुगलता धौर 1970 से लेकर, 1800 घंटे से धिक की दुर्घटना रहित उड़ामें भरने की इनकी व्यायसायिक योग्यता के लिए इन्हें प्रशस्ति पत्न से सम्मानित किया। अगस्त 1978 में सिन्धु नवी में आई अभूतपूर्व बाढ़ के वौरान प्राइतिक विषयामो, वुगैम भू-भाग भीर खराज मौसम के बावजूद इन्होंने बहुत सावधानी से योजना बनाकर और अपने भाविमयों को प्रेरणा देकर एक पत्मवाई में 270 राहत उड़ानों का सचालन किया। इन्होंने मौत से जूम रहे 100 से भी धिक लोगों की जान बचाकर न केवल उनकी इतकता हासिल की बल्कि सेवा की उच्च परम्परा के धनुरूप वायु सेना का नाम ऊचा किया। इनके इस कार्य से सिद्ध हो गया कि लेह अब भयावह स्टेशन नहीं था।

खेल-कूद सम्बन्धी कार्य-कलापो मे भी इनका योगदान उस्कृष्ट रहा है। 1960 में ये राष्ट्रीय रक्षा प्रकावमी टीम के कप्तान थे। इन्होंने लगभग दस वर्ष तक वायुसेमा का प्रतिनिधित्व किया ग्रीर फिर रणजी ट्राफी मे भी सेनाग्रो का प्रतिनिधित्व किया।

इस प्रकार विंग कमांडर इन्तर पुरी ने ग्रसाधारण व्यावसायिक कृशसता संधा योग्यता, वृक्क निश्चय भौर कर्तव्यपरायणता का परिचय विया है ।

सं ० 35 प्रेज ०/81—राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिको को उनकी भ्रमाधारण कर्तव्यपरायणता या साहम के लिए "नौ सेना मैडल"/"नेकी मैडल" प्रवान किए जाने का सहर्ष भ्रनुमोदन करते हैं —

1 कर्मांडर भीम सेन उप्पल (00508-बी॰) भारतीय नौसेना ।

कमांडर भीम सैन उप्पल को अन्तूबर 1962 में भारतीय नौ सेना की प्रशासनिक शाखा में कमीशन दिया गया । बाद में ये नव गठित पनडुब्बी सेवा में शामिल हो गए। जुलाई, 1975 में इन्हें इनकी योग्यता के कारण भारतीय नौ सेना पनडुब्बी वगीर की कमान करने के लिए चुना गया । इस पद पर कार्य करते हुए इन्होंने पश्चिमी नौसेना कमान में किए गए सभी बड़े सामारिक मध्यासों में भाग लिया और समुद्र की सतह पर स्थित यनिटो पर गुप्त रूप से आक्रमण करने में सफल हुए । इन्होंने उच्च कोटि के ब्यावसायिक कौशल और प्रेरक नेतृत्व का परिचय दिया है । उच्च कोटि की ब्यावसायिक कुशलता प्राप्त करने में इन्होंने अपने अफसरों भीर जवानों को पोत्साहित किया और पनडुब्बी को मुद्ध के लिए हर समय तत्यर रखा। गोताखोरी में इन्होंने 230 गोतों में 1000 घटे तक गोताखोरी करके मिहतीय श्रेय प्राप्त किया ।

इस प्रकार कमांहर भीम सैन उप्पल ने श्रसाधारण कोटि की व्याव-सायिक कुशलता और कर्तव्यपरायणता का परिचय विया है।

 लैपिटनेन्ट थायी हरी (01180-एफ०), भारतीय नौ सेना।

नेपिटनेंट थायी हरी को जनवरी, 1971 में भारतीय नौसैना की प्रशासनिक शास्त्रा में कमीशन दिया गया । इन्होंने बाद में पायलट की योग्यता प्राप्त कर ली और मार्च, 1978 से नौ सेना वायु स्क्याक्रम में पायलट के रूप में कार्य कर रहे हैं।

20 जनवरी 1979 को लेफ्टिनेट थायी हरी मद्रास से कोचीन तक की सामान्य लम्बी उडान करने वाले एक ग्राइलैंडर विमान के कप्तान थे। उडान भरने के लगभग 40 सिनट बाद विमान में तेज कम्पन गुरु हो गई भीर वह ग्रानियन्नित रूप से गोता खाने लगा। स्थिति की गभीरता को भापते हुए इन्होंने विमान का नियद्रण स्वय सभाल लिया ग्रीर बड़ी छुशलता से उसे वेलीर वं निकट पलार नदी क्षेत्र मे उतार लिया जिससे विमान की न्यूनतम क्षति हुई ग्रीर विमान के याद्रियों को किस। तरह की क्षति नहीं हुई।

इस कार्यवाई मे लेफ्टिनेट थायी हरी से ग्रसाधारण कीटि की अयावसायिक कुशलता सूझ-बृक्ष ग्रीर कितंत्र्यपरायणता का परिचय दिया है।

3 लेफ्टिनेट सरबजीत सिंह गिल (01504-टी॰), भारतीय नौ सेना ।

नेपिटनेंट सरबजीत सिंह गिल को भारतीय नौ सेना की प्रशासनिक शाखा में अप्रैल 1974 में कमीणन दिया गया था। इसके बाद इन्होंने पायलट के रूप में योग्यता प्राप्त कर ली भौर मार्च 1978 में इन्हें नौ सेना वायु स्क्वाब्रून में नियुक्त किया गया।

20 जून 1979 को लेफिटनेट सरबजीत सिंह गिल मद्रास से कोचीन तक की सामान्य लम्बी उड़ान करने वाले एक आइलैंडर विमान के सह चालक थे। उड़ान भरने के लगभग 40 मिनट बाद जब लेफिटनेंट गिल विमान का नियलण कर रहे थे तो बिमान मे तेज कम्पन शुरू हो गई भीर वह एक भ्रतियित्तत रूप से गीता खाने लगा। इस सकट काल मे इन्होंने भ्रपना धैर्य बनाए रखा और विमान को पलार नदी की ता मे सुरक्षित उतारने मे कप्तान की बहुत मयद की।

इस तरह लेफ्टिनेट गरबजीत सिंह गिल ने ग्रसाधारण कोटि की सूझ-बुझ ग्रीर कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया है।

4 लेफ्टिनेंट देवेन्द्र सिंह वलाल (01625-टी०)' भारतीय नौ सेना ।

लेफ्टिनेट देवेन्द्र सिंह दलाल राष्ट्रीय रक्षा ध्रकादमी में कैडेट के रूप में मर्ती हुए भौर जुलाई 1975 में इन्हें भारतीय नौ सेना की प्रणासनिक शाखा में कमीशन दिया गया । बाद में इन्होंने क्लियरेंस डाईविंग ध्रफसर की योग्यता प्राप्त कर ली । यहां इन्होंने सराहनीय व्यावसायिक भौर प्रणासनीक योग्यता का परिचय दिया है ।

8 फरवरी 1979 की रात में महाराष्ट्र सरकार ने झापातकालीन गोताखोरी सहायता की माग की । महाराष्ट्र राज्य परिवहन की एक बस किसी टैंकर से टकरा जाने के बाद थाने फीक में गिर गई थी और उसके यात्रियों को तत्काल महायता पहुंचानी थी । नेपिटनेंट दलाल के नेन्त्य में नौसेना का एक गोता खोर दल फसे हुए यात्रियों को बचाने के लिए तत्काल युर्घटना स्थल की और रवाना हुआ। । वहां आधी रात के समय अपने जीवन की सुरक्षा की परवाह किए बिना ये बचाव कार्य का निर्देशन करते रहे । बचाव कार्य के दौरान जब राज्य अगिन शमन दल द्वारा इन्हें पुल पर ऊपर खीचा जा रहां था, तो रस्सी ट्ट जाने के कारण ये लगभग 50 फुट की ऊचाई से मीचे गिर गए जिससे इनके शरीर में गीर चीटें आईं। लेकिन इनके झदम्य साहस और दक्ता से प्रोत्साहित होकर इनके दल ने बचाव कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया।

इस कार्यवाई में लेफ्टिनेट देवेन्द्र सिंह बलाल ने उच्च कोटि की पहलगाक्ति, उत्साह भ्रौर कर्तव्यपरायणना का परिचय दिया है।

 पेटी भ्रफसर रतन सिह (84135), (सर्वे रिकार्डर प्रथम श्रेणी) भारतीय नौ सेना।

27 फरवरी 1979 को लगभग 1045 बजे जब जूनियर कुक ए॰ बी॰ मिंगटे (107401) स $\sqrt{3}$ कण पोत विश्वजीत मे रसोई घर के

बाहर स्टीव जला रहे थे तो इनकी कमीज के दाहिने बाजू में ग्रांग लग गई। जूंकि वे जलती हुई कमीज उतार नहीं सके इसलिए वे विकिथ्त हो गए भीर सहायता के लिए चिल्लाते हुए पोत के ग्रंगले भाग की ग्रोर दौड़े।

पैटी प्रफसर रतन सिंह उस समय प्रपने प्रभारी प्रफसर को सर्वेक्षण कार्य में सहायता वे रहे थे। इन्होंने देखा कि कुक शिगटे का कमीज में घाग लगी हुई थी। पेटी प्रफसर रतन सिंह ने जलती हुई कमीज की घाग बुधाने के लिए इन्हें रोकना चाहा लेकिन कुक शिगटे घवराहट में तेजी से भागे भीर सुन्दरक्षन की जलराशि में कूद गए। सुन्दरक्षन की जलराशि में भरविक खराब मौसम की परिस्थितियों तथा तेज ज्वार भाटे के कारण कुकशिंगटे के जीवन के लिए धाने वाले प्रवश्मभावी खतरे को भांप कर पेटी धफसर रतन सिंह पानी में कृद पड़े। यद्यपि धारा कुक शिगटे को तेजी से कहा ले जा रही थी फिर भी इन्होंने तेजी से हैंर कर उन्हें गर्देन से पकड़ सिया ग्रीर पोत के पास ले ग्राए जहां से इस दोनों को उपर उठा लिया नया।

इंस कार्येवाई में पेंटी श्रंफसर रतन सिंह ने उच्ट कोटि की सूझ कुंझ भीर साहस का परिचय दिया है।

6. रणधीर सिंह (सेवा संख्या 094578-ए०), सीमैन (प्रथम श्रेणी) क्लियरेंस डाइवर (द्विसीय श्रेणी), भारतीय मौ सेना ।

रणंधीर सिंह ग्रंप्रैल 1968 में भी सेना में एक सी मैन बाप के रूप में भरती हुए और फिर सीमैन बन गए । बाद में भ्रगस्त 1969 में इन्होंने क्लियरेंस डाइवर की योग्यता प्राप्त की । इस वीरान इंक्होंने गोताखोरी में पहलशक्ति और व्यावनायिक मुशक्ता का परिचय विया।

ये उस गोताकोर दल के सर्वस्य थे जिसने 26 मई से 30 जून 1979 के दौरान भाका बांध के स्थिलिंग बेसिन की तुरस्त भरम्मत की थी। बेसिन में लगभग 8 टन के मलबे के बहुत बड़े ढेर के कारण बांध मिंधकारियों की खुंके हटाने में परेशानी हो रही थी भौर उनके सभी अधास विफल हो खुंके थे। 9 जून 1979 को सीमैन रणधीर सिंह ने इस हैर को हटाने के लिए लगातार गोते लगाए भौर बहुत ज्यादा परिश्रम के बाद उसे हटाने में सफल हुए।

इस कार्रवाई में सी मैन रणधीर सिंह ने असाधारण कोटि की व्याध-सीविक क्षेत्रलता दृढ़ संकल्प भीर करौव्यपरायणता का परिचय दिया है।

 मुरिस्तर कुमार सेवा संख्या 106722 सी मैन-II (पोत गोताचोर), भारतीय की सेना।

सुरिन्दर ता सितम्बर 1976 में सीघी भर्ती द्वारा सी मैन भरती हुए। 1978 में इंक्होंने पोत के गोताखोर को योग्यता प्राप्त की।

17 जनवरी 1979 की घोखला में राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक दिवस के घाषसर पर हो रही नौका बौड़ मैं एक नौका खांकी दुर्वेटना प्रस्त हो गई । इंससे अमेक महिलाएं बच्चे धीर राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट यमुना नवी में गिर पड़े । नवी में गिरने वाले सभी लोगों को बचा लिया गया था लेकिन एक बच्चा नहीं मिल रहा था । मुस्लिंदर कुमार धंचाव कार्य पर तैनात थे । सरकण्डों धौर पानी की तेज धारा के कारण कठिन धौर खतरनाक परिस्थितियों के होते हुए इन्होंने बार-बार गीते लगाए धौर नवी के तल की पूर्ण रूप से खोज की धौर अन्ततः इस दुर्वेटमा में मरे एकमाल ध्रधाय बच्चे के शव को निकालने में सफल हुए ।

इस कार्यवाई में सी मैन सुरिन्वर कुमार ने भसाधारण कोटि के साहस व्यावसायिक कुशलता भीर कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया है।

खोभराज गुप्तः, राष्ट्रपप्ति का उपसिषद

विधि, न्याय भीर कम्पनी काम संस्रास्थय (कम्पनी कार्य विभाग) (कम्पनी विधि बोर्ड)

नई विल्ली-1, विनांक 25 मई 1981

सं० 27(26)/81-सी० एल०-2--कम्पनी प्रधिनियम, 1958 (1956 का 1) की धारा 209क की उप-धारा (1) के खण्ड (ii) के प्रमुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा कम्पनी कार्य विभाग के सहायक निरीक्षण प्रधिकारी श्री जे० प्रार० बोहरा को कथित धारा 209क के उद्देश्य के लिए प्राधिकृत करती है।

ंके० मार० ए० एन० मध्यरः मक्रसमिव

पेट्रोलियम, रसायन श्रौर उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग)

नहि विरुत्ती, विनांक 21 मई 1981

#### 11977

सं० 17014/10/80-मी ४ सी ४-JI—कोगाई गांव रिफाइमरी तथा पेट्रो-कैमिकॅल्स किमि॰ के उत्पादों पर भाधारित आउन स्ट्रीम उद्योगों की स्थापना पर सिफारिश करने 'बीर चपनी' रिपोर्ट छः महीनों के कल्कालंत प्रसंतुत करने के लिए विसाक 28 महरूबर, 1980 के संकल्प द्वारा एक टास्क फीसे का 'गटन किया गया था।

टास्क फोर्स द्वारा प्रपनी रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने की तिथि को भारत सरकार ने तीम महीनों की ग्रीर ग्रामे श्रविध ग्रथित 27 जुलाई, 1981 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है।

#### श्राचेश

मादेश विया जाता है कि 'संकल्प की एक 'प्रतिनिधि सभी 'सम्बक्षित को भेजी जार्ये।

यह भी प्रादेश विया जाता है कि ग्राम भूवना के लिए संकल्प की भारत सर्रकार के राजपक्ष में प्रकाशित किया जाए।

पी० पी० गुप्ता, उप सचिव

(रसायन घौर उर्बरक विभाग) नई विल्ली, विनांक 20 घप्रैल 1981 संकल्प

सं० हिं-11014(2)/77-हिंगी----पेट्रोलियम, रसस्यम आरेर न्डर्नरक मिंगालय के तारीच 17 मंत्रेल, 1979 के संकल्प संख्या है०-11014(2)/77 हिंसी क शिम्रीक्षभाण करते हुए मारत सरकार ने पेट्रोलियम, रस्कान और उपेरक भौतालय की हिंबी। सलाहकार सिवित का कुनगर्ठन मेरने का निश्चय किया है:---

गॅठन

<ol> <li>मेट्रोलियम, रसायन भौर उर्वेरक गंत्री</li> </ol>		घच्यक्ष
<ol> <li>वेट्रीलियन, रसायनाभीर उर्वरक राज्य</li> </ol>	<b>चंत्री</b>	उपाध्यक्ष
लोक सभा/राज्य भमा के संसद् सदस्य		
<ol> <li>संभंदीय कार्य विभाग ो</li> </ol>	· (राज्यःसभाग )	<del>गव</del> स्य
4. द्वारा भ्रमी नामित किए जाने हैं।	( <b>राज्य</b> तभा )	सबस्य
5.	(लोक सभा)	सवस्य
6.	(लोक समा)	' सबस्य
7. श्री श्रोम मेहता ) (संसदीय राजभाष रूसमिति के सदस्य	π)	सबस्य
≻समिति के सबस्य	(राज्य मभा)	
<ol> <li>गुरुदेव गुप्त</li> </ol>	(राज्य सभा)	स <b>द</b> स्य

गैर सरकारी सवस्य (हिंदी होना संस्थलकों आवि से)		29. श्रष्टयक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक, मतस्य	
9. श्री जैनेन्द्र कुमार जैन, 7∤8, दरियागंज, बिल्सी-6 ।	सदस्य	फटिलाइजर कारपोरेशन श्राफ <b>इंडिया,</b> नई विल्ली; ।	
10. श्री <b>प्रक्ष</b> य कुमस्र <b>जैन,</b> सी/47, गुलमोहर पार्क, नई विल्ली।	सदस्य	30. भ्रष्टपक्ष तथा प्रबन्ध निवेशक, सबस्य नेणनल फटिशाद्वजर लि०, नर्द विरुक्ति ।	
<ol> <li>श्री वी०पी० त्रैदिक,</li> <li>नव भारत टाइम्स,</li> <li>बहातुरशाह अफर मार्ग,</li> <li>नई दिल्ली।</li> </ol>	स <b>द</b> स्य	<ol> <li>अध्यक्ष तथा प्रवन्ध निर्देशक, सदस्य फर्टिलाइजर एण्ड कैमिकल्स ट्रावनकोर लि०, (अलवाय) केरल।</li> </ol>	
<ol> <li>श्री की ० राधाकुण्णमृति,</li> <li>की ० फो० एस ०, प्रधान समिव,</li> <li>विस्ता भारत हिन्दी प्रचार सम्भः,</li> </ol>	सदस्य	32. भाष्यक्ष तथा प्रबन्ध निवेशक, सवस्य इंडियन कृग्स एण्ड फार्मास्य्टिकस्स लि०, गुज्ञमंत्र (हरियाणा) ।	
त्यागराज नगर, मब्रास-600017। 13. प्रो० शेर सिंह, एच-14 साकेत,	सदस्य	33. प्रबन्ध निवेशक, सदस्य पाइराइट्स, फास्फेट्स एण्ड कैमिकल्स कि.०, नई दिल्ली ।	
नई विल्ली ।  i.4. डा ० कांत कुमार सर्राकः,  रसायन इंजीनियरी विभागः,	सषस्य	34. अवस्य निवेशक, सदस्य हिन्दुस्तान इन्सेक्टीसाइड्स लि०, नई दिल्ली ।	
रुड़की विश्व <b>निका</b> सय, कड़की (उत्तर प्रवेग ) । प्रवेन सवस्य		35. प्रब्रन्ध निदेशक,। स्वस्य हिन्दुस्तान प्रतीबायोदिक्स लि०, पिम्मरी, पुना	
<ol> <li>राजभाषा विभाग के सचिव तथा भारत सरकार के हिन्दी सलाहकार ।</li> </ol>	सदस्य	36. संयुक्त सचिव तथा वित्तीय सलाहकार, मदस्य सचिक (भ्रष्टपक्ष, राजभाषा कार्यात्वयन समिति)	
16 सभिव, पेट्रोलियम विभाग	सबस्य	रसायन स्रोर उर्वरक विभाग,	
17. सचिव, रसायन ग्रौर उर्वरक त्रिभाग	सदस्य	नई विल्लीः ।	
18. संगुक्त सचिव (मध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति)	सदस्य	II. कार्य	
पैद्रोलियम किमान । 19. डा॰ गुरुवस्था सिंह (उन कुलमति), विस्सी विम्ब- विद्यालय, नई विस्ली । 20. संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग, नई विस्ली	सबस्य सबस्य	इस समिति का कार्य, पेट्रोलियम, रसायन और उकरक मंद्राज्य र उनके सम्बद्ध तथा ग्रधीनस्य कार्यालयों और उसके निर्यक्षणाधीन उपर के सरकारी काम में हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित विक्यो तथा मंत्रालय द्वारा निर्धारित नीति संबंधी ढांचे के ग्रन्तर्गत माने वाले मार	
मंत्रालय के नियंत्रणाधीन उपक्रमों के प्रतिनिधि		पर सलाह देना होगा ।	
<ol> <li>अध्यक्ष एवं प्रबंध निवेशक, बत्त पद्मीकियम कहरकोरेक्स कि.०, बन्ब ई.।</li> </ol>	सदस्य	III. कार्य-काल समिति का कार्य-काल उसके गठन की तारीख से तीन वर्षों का होग बगर्ते कि :	
<ol> <li>अवंश निवेशक, कोशीन रिकाइनरीज सि ०, धम्मलमुनल (केरल राज्य)</li> </ol>	सदस्य	(क) कोई भी सवस्य, जो संसव सवस्य है, संसव का सवस्य न ही वह इस समिलि का सवस्य भी नहीं रहेगा ।	
<ol> <li>म्राज्यक एवं प्रचंघ निवेशक, इंजीनियर्स इंडिया लि०, नई विल्ली ।</li> </ol>	सपस्य	(स्त्र) समिति के पदेन सदस्य उस समय तक सदस्य <b>धने र</b> हेंगे र तक वे प्रयने पदों पर <i>हैं</i> जिसके कारण वे स्रमिति के सर्व हैं ।	
24. मध्यक्ष एवं प्रबंध निवेशक, । हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपीरेक्कम सि०, बम्बई ।	सषस्य	<ul> <li>(ग) यदि किमी सदस्य के त्यापत्र प्रचत्रा मत्यु द्याचि के कारण सिमिति     कोई स्थान रिक्त होता है तो उसके स्थान पर नियुक्त कि     गया सदस्य शेष भविष के लिए सदस्य रहुगा।</li> </ul>	
25. श्रष्ट्यक्षं, इंडियम भायल कारपोरेशन लि०, नई दिल्ली।	सदस्य	(V) सामान्ध (i) समिति ग्रावध्यक समझे जाने पर ग्रतिरिक्त सदस्यों को सह	
26. भ्रष्टपदा, एवं प्रबंध निवेशक, इंडियम पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि०, बड़ौदा ।	सदस्य	योजित कर सकती है और भपनी बैठकों में भाग जेने के जिए विशेषा को श्रामंद्धित कर सकती है श्रभवा उप-समितिया नियुक्त कर सकती है (ii) समिति का प्रधान कार्माजय नई दिल्ली में होगा, किन्तु समि	
27. अध्यक्ष, तेल एवं प्राकृतिक गैस भायोग, वेहरावृत्त ।	सदस्य	भ्रमनीवैठकें किसी भ्रत्य स्थात पर भी कर सकती है। (VI) यात्रा भत्ता तथा भ्रत्य भत्ते	
28. प्रबंध निवेशक, पेट्रोफिस्स कोग्रापरेटिय लि०, नई विल्ली।	सदस्य	नैर सरकारी सदस्यों को सिमिति तथाउपसिमिति की बैठकों में सम समय पर भाग खेने के लिए सरकार द्वारा निश्चित दरों पर यात्रा मस तथा वैसिक भक्ता दिया जायेगा ।	

#### ग्रहिण

षादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति सभी राज्य सरकारों श्रीर संबीय क्षेत्रों के प्रशासनों, भारत के सभी मंत्रालयों तथा विभागों, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सिवालय, राज्य सभा सिवालय, योजना प्रायोग, राष्ट्रपति सिवालय, संसदीय राजभाषा समिति, भारत के महा नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक श्रीर पेट्रोलियम विभाग तथा रसायन एवं उवेरक विभाग की वेतन तथा लेखा कार्यालयों श्रीर इसके नियंत्रणाधीन सभी सरकारी उपक्रमों/सम्बद्ध कार्यालयों श्रीर कार्यालयों को भेजी जाये।

यह भी भावेश दिया जाता है कि इस संकल्प को जन साधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्न में प्रकाशित कराया जाय।

वीरेन्द्र कुमार, संयुक्त सचिव

# कृषि मन्नालय (कृषि भौर सहकारिता विभाग)

नई विल्ली, विनांक 20 मई 1981

#### संकरूप

से 43-28/74-एल बी टी टी --- इस मंद्रालय के विनांक 29-6-1978 के इसी संख्या के संकल्प का प्रधिकमण करते हुए भारत सरकार ने 1 मई, 1981 से दो वर्ष की भ्रवधि के लिए केन्द्रीय कुक्कुट विकास सलाहकार परिषद् को पुनर्गंठित करने का निर्णय किया है।

- 2. परिषद् का पुनर्गठन निम्न प्रकार से होगा :---
- 1. ग्रध्यक्ष

कृषि ग्रामीण पुनर्निर्माण तथा सिचाई मंत्री

2. उपाध्यक्ष

क्रिषि तथा भ्रामीण पुनर्निमाण मंत्रालय में राज्य मंत्री।

### 3. सदस्य

- (1) सचिव (कृषि सथा सहकारिता)
- (2) भ्रपर सचिव (ए० डी० एफ०)
- (3) पशुपालन मायुक्त
- (4) निवेशक, केन्द्रीय पक्षी मनुसंघान संस्थान, इज्जतनगर।
- (5) डा० हरभजन सिंह, प्रध्यक्ष, कार्यकारी समिति, "पंजाब पशु-धन कृषक संघ"
- (6) श्री के॰ रामचन्द्र रेही, ग्रष्ट्यक्ष, ग्रांध्र प्रदेश कुक्कुट संघ।
- (7) ग्राध्यक्ष, ईस्टर्न इंडियन एसोसिएशन, कुक्कुट उद्योग 57-बी, टाउनगाड रोड, कलकत्ता ।
- (৪) ग्राष्ट्रयक्षा ग्राप्टिम प्रदेश, राज्य मौस तथा कुक्कुट विकास निगम सि०।
- (9) ब्राध्यक्ष, गुजरात कुक्कुट विपणन संघ
- (10) ग्रध्यक्ष, मिश्रित पणुधन ग्राहार विनिर्माण संघ
- (11) श्री बी० बी० राव, प्रबन्ध निदेशक, धेंकटेश्वर हेचरीज, प्रा० स्नि० पुने ।
- (12) प्रबन्ध, कुक्कुट विपणन प्रभाग नेफेड
- (13) सदस्य सचिव -- संयुक्त मायुक्त (कृक्कुट पालन) कृषि मीर सहकारिता विभाग, भारत सरकार
- 3. क्रम सं० (5) से (11) शक के सवस्य वो वर्ष की ध्रवधिके शिए परिषय में रहेंगे।
- 4. भारत सरकार समय-समय पर उन लोगों के हिलों का प्रतिनिधिस्व देने के लिए जिनको परिषद् में प्रतिनिधिस्य किया गया है । श्रितिरिक्स सबस्य नामित कर सकती है ।

- परिषव् एक परामगाँदाली निकास के रूप में होंगी भीर इसके निम्म-लिखित कार्य होंगे :---
  - (1) केन्द्र भीर राज्य सरकारों द्वारा तैयार किए गए कुक्कुट विकास कार्यंक्रमों के बारे सें समय-समय पर विचार करना।
  - (2) निर्धारित लक्ष्यों के संबंध में कुक्कुट विकास कार्यंक्रमों की प्रगति पर विचार करना तथा समीक्षा करना और जहां आवश्यक हो गति को तेज करने के लिए उपायों की सिफारिश करना ।
  - (3) कुक्कुट प्रजमन, पोषाहार, रोग नियंत्रण, टैक्नोलोजी, विषणन, व्यापार भीर मूल्य प्रादि की समस्याभ्रों पर विचार करना भीर संवीका करना तथा सुधार के लिए उपाय सुझाना, भीर
  - (4) भ्रम्थ कार्य, जो कि समय-समय पर भारत सरकार द्वारा परि-षद् को सींपे जायें।
- 6. परिषद की समय-समय पर बैठकों हुआ करेंगी। जिनके समय तथा स्थान के बारे में प्रध्यक्ष द्वारा निर्णय लिया आएगा।
- 7. परिषद्, कुक्कुट पालन, ध्राहार, विषणन, रोग नियंत्रण, उपस्कर विनिर्माण और ऐसे ध्रन्य कार्यों के लिए, जिन्हों के विषय में सलाह देने के लिए संकल्प द्वारा समितियों की नियुक्ति कर सकती है।

#### मादेश

भादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासमों भीर भारत सरकार के मंझालयों के विभागों, को भेजी जाएं।

 यह भी भावेश विया जाता है कि इस संकल्प को सामान्य जानकारी के लिए भारत के राजपक्ष में प्रकाशित किया जाए।

एस०पी० मुकर्जी, अपर सचिय

## शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय

## (शिक्षा विभाग)

## नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1981

सं० एफ०9-3/78-यू-3—विश्वविद्यालय अनुवान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 3) की धारा 3 द्वारा प्रवस्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए श्रायोग की सलाह पर केन्द्र सरकार एतवृद्धारा यह बोषणा करती है कि वयालवाग शैक्षिक संस्थान, प्रागरा को, जिसके अंतर्गत ब्री० ६० आई० महिला प्रशिक्षण कालेज, डी० ६० आई० आर० ई० आई० डिपी कालेज और डी० ई० आई० इंजीनियरी कालेज, द्यालवाग हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए विश्वविद्यालय समक्षा जाएगा।

सं एफ ०-18-6/81-यु० 5---भारतीय सामाजिक विज्ञान धनुसंधान परिषद नई दिल्ली के संस्था आपन पक्ष और नियमानली के नियम 3 भीर 6 के भन्तगैत निम्नलिखित ध्यक्तियों को 31-3-1984 तक की भवधि के लिए भारतीय सामाजिक विज्ञान भनुसंधान परिषद के सवस्य के रूप में मनोनीत किया जाता है:---

- डा० (श्रीमती) माधुरी श्रार० शाह , ब्राध्यक्ष-विश्वविद्यालय धनुवान घोषोग, नई विल्ली ।
- श्री ग्रो० पी० गौतम,

  महानिदेशक,

  भारतीय कृषि ग्रनुसंधान परिषय,

  मई विल्ली ।

मवस्य

- 3. प्रो० एम० एस० गोरे, निदेशक. टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, बम्बई ।
- अरा० ए० के० सेन गुप्त, प्रधान मंत्री के ग्रपर सचिव, नई विल्ली।

म० रा० कोल्हटकर मंय्क्त सांचव

#### श्रम मंत्रालय

## नई दिल्ली, दिनोक 8 मई 1981

सं ० क्यु ०-16012/3/79-इंब्ल्यु ० ई०---सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण मधि-नियम, 1860 (1860 का 21) के मधीन, 1958 में केन्द्रीय श्रमिक शिक्षाबोर्डस्थापित किया गया ।

केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के नियमों ग्रीर विनियमों के नियम 3 के ब्रनुसरण में, भारत सरकार से उक्त सोसाइटी का गठन ब्रधिसूचना संख्या ई० एण्ड पी०-4(240/58, तारीख 12 दिसम्बर, 1958 द्वारा ष्प्रिधसूचित किया ।

ग्रौर उक्त सोमाइटी के नियमो तथा विनियमों के नियम 36 में इस के परिवर्तन भीर विस्तार की व्यवस्था है।

धव उपर्युक्त नियम 36 के अनुसरण मे मारत मरकार केन्द्रीय श्रमिक णिक्षा बोर्ड का पुनर्गठन करती है भीर भ्राम जनता की सूचना के लिए ग्रिधस्चित करती है कि पुनर्गार्ठत सोमाइटी में निम्नलिखित व्यक्ति होगे,

(1) श्रीजी० रामामुजम, ग्रष्टयक्ष भारत सरकार द्वारा जनरल सेक्रेटरी, इन्टक नामित

## भारत सरकार के प्रतिनिधि

- 2. श्री भार० के० ए० मुबह्मण्या, सदस्य श्रपर सचिव, श्रम मंत्रालय ।
- वित्त मंत्रालय का प्रतिनिधि सदस्य
- 4. शिक्षा मंत्रालय का प्रतिनिधि सवस्य

## राज्य सरकारों के प्रतिनिधि

- सचिव, उड़ीसा सरकार, श्रम विभाग, भूवनेण्यर।
- 6. सचिव, केरल सरकार, सदस्य
- त्रिवेन्त्रम ।

श्रम विभाग, बम्बई।

- ७. सचिव, सदस्य महाराष्ट्र सरकार,
- ८. सचिव, सबस्य हरियाणा सरकार, श्रम विभाग, चंडीगढ़।

#### नियोजकों के प्रतिनिधि

2-101GI/81

 श्री भार० एस० एन० विजयनगर, सैकेटरी जनरल, वि बम्बई मिल भोनसं एसोसिएशन, इलफिन्स्डोन बिर्लिडन, बीरनारियन रोड, बम्बई-400023।

सवस्य

मदस्य

10. श्रीबी० एम० मेठी, मैकेटरी, ग्राल इंडिया ग्रार्गेनाइजेशन ग्राफ इस्प्लायर्स, फेडरेशन हाउस, तानसेन सार्ग, नई विल्ली।

11. श्रीपी० टी० शाह, सदस्य द्याल इंडिया मैन्युफैशचरस द्यार्गेनाइजेशन, हेमन्त इंडस्ट्रीज, 269, जी ० त्राई ० ही ० सी ०, इंडस्ट्रियल इस्टेट, मकारणूरा बड़ौदा 390010

12. श्रीं नरेन्द्र कालांत्री, सदस्य प्रेजी डेंट, फेडरेशन भाफ एसोसिएशन भाफ स्माल इंडस्ट्रीज माफ इंडिया, कालार्ता विल्डिंग, 107 श्रमीनाबाद रोड लखनऊ

3. डा॰ बंा॰ एस॰ बडेहरा, मदस्य ग्रध्यक्ष भीर प्रबन्ध निदेशक, सैन्द्रल कोल-फील्डस लिमिटेड, वरभंगा हाउस, रांची-834001

## श्रमिकों के प्रतिनिध

14. श्री ए० टी० भोसले, सदस्य उपाध्यक्ष-इन्टक, मार्फंस राष्ट्रीय मिल मजबूर संब, जी० क्षी० भ्रम्येदकर मार्गे, " परेल, **बम्बई-**400012

केन्द्रीय ट्रेड यूनियम संगठनों का प्रति-[निधित्व करने वाचे

15. श्रीबी० के० दास, सदस्य निदेशक, इंस्टीट्यूट फार माइग्स एंड मैटल वर्कस एजूकेशन, 9, लाजपत राय सारनी, कलकत्ता-700020 (इन्टक) ।

16. डा॰ (श्रीमर्ता) प्रीति लता क्रिपाठी, मदस्य 5, तालकटोरा रोड,∬ निर्दे विरुली (इन्टक)।

17. श्री ए० बी० वर्धन, सदस्य केन्द्रीय ट्रेड यूनियन प्रैजी:बेंट,ो संगठनों का प्रतिनिधित्व भक्षाराष्ट्र राज्य स्टेट कमेटी ग्राफ एटक, करने वाले। सबर मागपुर।

18. श्री ए० एम० गोविन्दराजन सरस्य जनरल सेत्रेटरी, तमिलनाडु स्टेट कमेटी घाफ एटक, ,डोर नं० 25, ब्लाक 'पी', ई० डब्ल्यू० एस० क्वार्टेर, साउथ बोग रोड,

19. श्री जी० कें ० घ्रथवाले, केन्द्रीय ट्रेड युनियन एडवोकेट, गिरिपीत, नागपुर-440010 (बी० एम० एस०)

## विश्वविद्यालय सनुदान प्रायोग का प्रतिनिधि

मद्रास-6000 17 l

20. प्रो० जी० एस० भस्ला, प्रधान, ्रिन्टर फार वि स्ट≆ी भाफ रिजनल क्रिवेलपमेंट |जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली।

संगठनों का प्रति । ह-धित्व करने वाले

सवस्य

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा एससोसिएशन का प्रतिनिधि

21. डा॰ टी॰ ए॰ कोशी, मदस्य श्रीनरेरी जनरल सेश्वेटरी, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा एसोसिएणन, 17-बी, इन्द्रद्रस्थ मार्ग, नई दिल्ली-110002।

श्रमिकों के तीन भीर प्रतिनिधियों तथा सहयोजित किए जाने वाले सदस्यों के नाम बाद में प्रधिसूचिल किए जायेगे।

केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के निदेशक बोर्ड के सचिव होंगे।

भास्कर बरुमा, निदेशक

# नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1981

#### संकल्प

सं० वी० 24035/1/80-डब्स्यू० बी०--सरकार के ध्यान में यह साया गया है कि अश्रेक उद्योग में मजदूरी दरों का स्तर अन्य तुलना-स्मक उद्योगों जैसे कीयला खनन में प्रचलित मजदूरी दरों के स्तर की तुलना में कम है। अतः सरकार ने एक समिति गठिस करने का निर्णय किया है, जो उद्योग में मजदूरी ढिंचे की पुतरीक्षा करेगी और उद्योग के भुगतान की अमेना और अस्य सम्बद्ध कारकों को महेनजर रखते हुए मजदूरी और भत्तों की उन दरों की सिफारिश करेगी, जो उचित समझी जाए। समिति में निम्न-लिखित शामिल होंगे:

 श्री भ्रार० के० ए० सुक्क्ष्मण्या, भ्रपर सचिव, श्रम मंत्रालय, नर्व दिल्ली।

1.40

ग्रध्यक्ष

 श्री एन० के० पांडा, संयुक्त सचिव,
 ज्यय विभाग, नई दिल्ली।

सवस्य 🝴

- 3. श्री झाई० जी० क्षिगरस, सबस्य संयुक्त भचित्र, खान विभाग, नर्ड विल्ली।
- कुमारी के० पी० मरोजनी, मदस्य कानूनी सलाहकार श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली। समिति के विचारार्थ विषय मिम्मलिकिस होंगे:
  - (क) अश्रक उद्योग में नियोजित कर्मचारियो के अभी का निर्धारण, भीर
  - (ख) उनको लागू मजबूरी ढांचा तैयार करना, (जो उचित मजबूरी के सिद्धांतों पर भाषारित हो, जैसा कि उचित मजबूरी संबंधी समिति की रिपोर्ट में बताया गया है।

#### धादेण

श्रावेण विद्या जाता है कि संकल्प की एक प्रतिलिपि निम्नलिखिन की प्रैषित की जाए:

- 1. सभी राज्य सरकार ग्रीर संघ राज्य क्षेत्र ।
- भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग, योजना ब्रायोग कार्यकम मूल्यांकन संगठन भौर प्लान श्रीजैक्टों संबंधी समिति
- 3. ग्रस्थिल भारतीय नियोजक भीर श्रमिक संगठन

यह भी ब्रादेण दिया जाता है कि इस संकल्प को श्राम जानकारी के लिए भारत के राजपक्ष में प्रकाशित किया जाय।

शशि भूषण, अवर सचिव

# PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 1st June 1981

No. 31-Pros/81—Corrigendum—The follwing amendment is made in this Secretariat Notification No. 85-Pres/72, dated the 22nd June, 1972, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India dated 1st July, 1972:—
At Serial No. 66

For "216416 Cpl. Ram Kishore Gupta, A.F.S.O."
Read "216415 Cpl. Ram Kishore Gupta, A.F.S.O."

K. R. GUPTA, Dy. Secy.

#### New Delhi, the 26th January 1981

No. 33-Pres./81.—The President is pleased to approve the award of the "VAYU SENA MEDAL"/"AIR FORCE MEDAL" to the undermentioned personnel for acts of exceptional devotion to duty or courage:—

1. Wing Commander ANIL TIPNIS (5859) Flying Pilot.

Wing Commander Anil Tipnis took over the command of an Air Force Squadron in July, 1977, when it was decided to phase out the Gnat and re-equip the Squadron with Mig BIS aircraft. He was also required to move his Squadron to its new location. At the new location, while shorting out the numerous administrative problems relating to re-settlement he, simultaneously, undertook the task of re-equipping his unit with new aircraft. He formulated every detail concerning the collection of aircraft and the ground and test equipment, and organised his Squadron into an efficient unit for training of aircrew and technicians. It was due to his dedication and inspiring leadership that his fledgling Squadron accomplished the significant achievement of accident free flying in the first year of its re-equipment and turned out five pilots fully operational and seven other pilots operational by day. Within a short period of nine months of its change over to MIG BIS aircraft, it was required to take part in the Western AIr Command Armament Meet 'Arjuna 78'. Despite the limited experience of its personnel on the new aircraft, the Squadron displayed commandable performance at the Armament meet.

The planning, organisational and man-management capabilities of Wing Commander Tipnis have been above average. The commandable contribution of his professional competence is that he has maintained an accident free record right from the beginning. His unit has also achieved 100% serviceability twice during this year.

Wing Commander Anil Tipnis has thus displayed high professional skill and devotion to duty of an exceptional order.

2. Squadron Leader MICHAEL MACMOHAN (7399) Flying Pilot.

Squadron Leader Michael Macmohan was posted to tactics and Combat Development Training Establishment again in September, 1977. He had served in this establishment earlier during February 1973 to June, 1975.

In the later tenure, he was initially appointed as the Officer--in-charge Training where he implemented modifications in the Fighter Combat Leader training Pattern with commendable results. In addition to the above charge, he took over as officer-in-charge Development from January, 1978. The Establishment finalised Air Combat Tactics during that period and ensured completion of other development tasks allotted to the Establishment.

Squadron Leader Michael Macmohan was appointed as the Signal Unit Flight Commander in July 1978. During this tenure, he has ensured that despite the high risk exercises in the Establishment, the Flight Safety is maintained at its peak level.

Squadron Leader Michel Macmohan has thus displayed professional skill and devotion to duty of an exceptional order

3. Squadron Leader SIVARAMAKRISHNAN KALYA-NARAMAN (7704) Flying Pilot.

Squadron Leader Sivaramakrishnan Kalyanaraman was posted to Helicopter Training School in April, 1978. Within a period of ten months, he has flown 310 hours and has

largely contributed to the timely graduation of two helicopter conversion courses and two Ad-hoc conversion courses, without any suspensions. His excellent leadership has enabled the Helicopter Training School to complete a total of 3844:50 hours of accident/incident free flying during 1978 as a result of which the school won the Headquarters Training Command Flight Safety Trophy.

In November, 1978, the unit was called upon to send a detachment of two helicopters for Cyclone relief operations to Sri Lanka. The detachment, which was led by Squadron Leader Kalyanaraman, flew 163 missions and dropped over 1,00,000 pounds of food and medicine packets to the cyclone affected people. He himself flew 85 missions. During that relief operation, he had to put in nearly 18 hours every day for over a period of fifteen days.

Squadron Leader Sivaramakrishnan Kalayanaraman has thus displayed professional skill, high qualities of leadership and devotion to duty of an exceptional order.

 Squadron Leader SURJIT SINGH (8148) Flying (Pilot).

Squadron Leader Surjit Singh has flown over 2500 hours during his 15 years of service. He has been a Flight Commander and Fighter Combat Leader for over four years and during that period he trained a large number of pilots to operational status. Since January, 1970, he has flown over 1600 hours in 2325 sorties on MIG aircraft. Throughout this period, he had an accident free record.

Squadron Leader Surjit Singh has thus displayed professional skill and devotion to duty of an exceptional order.

 Squadron Leader LENNETH OSWELL JOHN (8422) (Posthumous) Flying (Pilot).

Squadron Leader Lenneth Oswell John, who was on the posted strength of an Air Force Squadron from February, 1976, to November, 1978, was employed on operational flying duties in Arunachal Pradesh and Nagaland areas. He was a keen flier and undertook arduous flying commitments at odd hours even at the cost of his personal comforts. He had flown 1,060 hours during such a short tenure in the unit. This is an achievement of this competence as a flying Pilot. He has to his credit a total of 3917 hours of flying, out of which 1340 hours were flown in operational areas. His zeal, hard work and high sense of devotion to duty, which had attained for him an above everage professional standard, had been a source of inspiration for others.

He was assigned the responsibilities of Flight Commander, Squadron Detachment Commander and Training Officer with a view to utilising his high flving abilities and experience. As Flight Commander, he introduced systematic working in the Flight Office which increased the efficiency of the aircrew and reduced their fatigue. As detachment Commander, he ably tackled all administrative and welfare problems of his men and prompted them by his personal example, to achieve high competence in flying. As Training officer, he raised the professional status of his pilots by his able guidance and intensive training schedule which improved the overall operational status of the unit.

Besides his contribution towards raising the flying standard, Squadron Leader Oswell John was also closely associated with the extra curricular activities of his Squadron. A keen sportsman himself, he always took active part in the sports activities and, consequently, his Squadron carned a good name on the Station. His strong attachment to sports is evident from the fact that the officer collapsed of the field during the annual sports events from which he could not recover.

Squadron Leader Lenneth Oswell John thus displayed high professional skill, leadership and devotion to duty of an exceptional order.

 280090 Sergeant RAI NARAIN CHOUBEY Electrical Fitter.

Sergeant Raj Narain Choubey, was enrolled in the Indian Air Force in April. 1965. He has been serving at 11 Air Force Wing since October, 1977.

A ten Ton Coles Crane had been laying at the Air Force Station for the last five years for want of repairs. With

its rotten wiring and its unserviceable electrical components, it was not possible to put it back on road without proper know-how and wiring diagram. Local market was of no help. Realising that M/s Tractor India Ltd., the only firm dealing with this type of crane, had quoted Rs. 360/- per day, over and above the air fare from Calcutta and back as charge for their Engineer to survey the crane, it was decided to back-load the crane as beyone economical repairs.

It was at this stage that Sergeant Choubey volunteered to repair the machine. It was a remarkable achievement of his ingenuity that, single handedly, he completed all the rewiring and repaired all the unserviceable electrical components of the crane. He thereby, not only made available a reliable exame, an essential equipment for an Air Force Station, but also effected considerable saving in Government expenditure.

There was a high rate of unserviceability of MT Vehicles on the Station and most of the vehicles suffered from frequent breakdowns because of short circuiting and other electrical snags. In August, 1978, Sgt. Choubey under-took this uphill task. He set up an electrical bay in the Mechanical Transport Repair and Servicing and regged up facilities, within local resources, for testing, fault finding and repair of almost all ranges of assorted type of Generator, Dynamos, Starters and Voltage Regulators. During his tenure not a single Voltage Regulator, Starter and Generator was sent for local repairs except for rewinding. Apart from saving considerable sum of public money, the delays normally caused due to repairs in the local market were avoided. Prompt and quick rectification helped in sustaining cent per cent serviceability of the electrical systems in the vehicles.

Sergeant Raj Narain Choubey has thus displayed very high professional skill, determination and devotion to duty of an exceptional order.

No. 34-Pres./81.—The President is pleased to approve the award of Bar to "VAYU SENA MEDAL"/"AIR FORCF MEDAL" to the under mentioned personnel for acts of exceptional devotion to duty or courage:—

Wing Commander INDER PURI, VM (96499) Flying (Pilot).

Wing Commander Inder Puti was commissioned in the Indian Air Force in May, 1962. Right from his initiation in service his immaculate performance as a transport pilot became evident and it was recognised by the award of Vayu Sena Medal during the Kutch operation in 1965. upto 1966, he had logged over a thousand operational hours to his credit.

He successfully completed the flying instructor's course in 1967 and did valuable instructional tenures at Flementary Flying School, Air Force Flying College and Transport Training Wing, logging over a thousand instructional hours till 1971. For his outstanding contribution in training, he was awarded the commandation by the Air Officer Commanding-in Chief, Training Command, in August, 1971.

As Officer Commanding of the Air Delivery Flight during Indo-Pak conflict, 1971, he maintained a continuous life line for logistic and maintenance support to the front line Squadrons in the Fastern and the Western Sectors. This act of out-standing devotion to duty, the officer mentioned in 'Despatches'. In 1972, he was specially sevected as a 'Captain' and deputed to Air Wing of the Border Security Force. He was instrumental in organising the Air Wing of the Para-Military force and carried out difficult and, at times, onerous assignments satisfactorily. In recognition of his meritorious services, the Border security Force granted him an unpaid rank of Commandant during his tenure.

In 1973, Wing Commander Puri graduated from Staff College. In January, 1977, while at Head quarters Central Air Command, he was awarded a commandation by Air Officer Commanding-in-Chief for his outstanding performance and professional ability for over 1800 hours of accident free flying since 1970. During the unprecedented floods in river Indus in August, 1978, by meticulous planning and, by inspiring his men in-spite of the veraries of nature, inhospitable terrain and bad weather, he organised 270 relief sorties in one fortnight. He not only won the gratitude of over 100 people evacuated from the jaws of death but

brought good name to the Air Force in the best traditions of service. This performance proved that Leh was no longer a dreaded Station.

Wing Commander Inder Puri's contribution towards sports has also been outstanding. He captained the National Defence Academy Team (1960), represented Air Force for nearly a decade and represented service in the Ranjit Trophy.

Wing Commander Inder Puri has thus displayed exceptional professional skill and ability, undaunted determination and devotion to duty of an exceptional order.

No. 35-Pres./81.—The President is pleased to approve the award of the "NAO SENA MEDAL"/"NAVY MEDAL" to the undermentioned personnel for act of exceptional devotion to duty or courage:—

#### Commander BHIM SAIN UPPAL (00508-B) Indian Navy.

Commander Bhim Sain Uppal was Commissioned in the Executive Branch of the Indian Navy in October, 1962. He subsequently joined the newly formed Submarine Service and because of his ability, was selected to command the IN Submarine Vagir in July, 1975. During the period of this assignment, he took part in all the major tactical exercises conducted in the Western Naval Command and was successful in attacking the surface units undetected. He has shown a high standard of professional competence and inspiring leadership. He motivated his officers and men to achieve a high degree of professionalism and kept the submarine in high combat readiness and thereby achieved the rare distinction of completing 1000 dived hours in 230 dives.

Commander Bhim Sain Uppal has thus displayed professional competence and devotion to duty of an exceptional order.

#### 2. Lieutenant THAYI HARI (01180-F) Indian Navy.

Licutenant Thayi Hari was commissioned in the Indian Navy in the executive Branch in January, 1971. He later qualified as a pilot and has been serving as a Pilot with Naval Air Squadron since March, 1978.

On 20th January, 1979, Lieutenant Thayi Hari was the Captain of an Islander air craft which was on a routine cross country flight from Madras to Cochin. Approximately 40 minutes after take off, the aircraft developed severe vibrations and went into an uncontrolled dive. Realising the seriousness of the situation, Lieutenant Thayi Hari, took over the control of the aircraft and, with his commandable skill, landed it in the Palar river bed, near Vellore, with minimum damage to the aircraft and with no harm to the personnel on board.

In this action, Lieutenant Thayi Hari, displayed professional skill, presence of mind and devotion to duty of an exceptional order.

# 3. Lieutenant SARABJIT SINGH GILL (01504-T) Indian Navy.

Lieutenant Sarabjit Singh Gill was commissioned in the Executive Branch of the Indian Navy in April, 1974. Thereafter, he qualified as a Pilot and was posted to a Naval Air Squadron in March, 1978.

On 20th June, 1979, Lt. Sarabjit Singh Gill was the Co-Pilot of an Islander aircraft on a routine cross country flight from Madras to Cochin. Approximately 40 minutes after take off, while Lt. Gill was at the controls, the aircraft developed severe vibrations followed by an uncontrolled dive. He maintained his composure during this emergency and rendered valuable assistance to the Captain of the aircraft in landing the defective aircraft safely on the Palar River bed

Lieutenant Surabjit Singh Gill thus displayed presence of mind and devotion to duty of an exceptional order.

# 4. Lieutenant DEVENDRA SINGH DALAI. (01625-T) Indian Navy.

Lieutenant Devendra Singh Dalal joined as a cadet in National Defence Academy and was commissioned in the Executive Branch of the Indian Navy in July, 1975. He later qualified as a clearance diving officer where he shown commandable professional and executive ability.

On the night of 8th February, 1979, an emergent diving assistance was sought for by the Government of Maharashtra for the salvage of a State Transport Bus which had plunged into the Thane Creek, after colliding with a tanker. A naval diving team, with Lleutenant Dalal as Officer-in-Charge, was rushed to the scene of the accident to rescue the trapped passengers. He directed the midnight salvage operations in complete disregard to his own safety. During the course of the operation, the officer suffered serious bodily injuries from a fall of approximately 50 feet, when the rope by which he was being lifted on to the budge by the State Fire Bigande, parted. However, encouraged by his tremendous zeal and perseverance, his team successfully completed the salvage operation.

In this action, Licutenant Devendra Singh Dulal displayed initiative, zeal and devotion to duty of a high order.

5. Petty Officer RATTAN SINGH (84135) Survey Recorder (First Class), Indian Navy.

On the 27th February, 1979, at about 1045 hours when a Junior Cook, AB Shingate (107401) was lighting a stove outside the cook-house on board the survey ship Biswajeet, the right sleeve of his shirt caught fire. As he could not remove his burning shirt, he became frantic and ran to the fore part of the launch shouting for help.

Petty Officer Rattan Singh, who was assisting his Officer in-Charge in survey operations, saw Cook Shingate running with his shirt in flames. He tried to stop the cook in order to extinguish his burning shirt, but the latter dashed forward in panic and jumped into Sunderban waters. Realising the imminent danger to the life of the cook due to adverse weather conditions and strong tidal current in the Sunderban waters, Petty Officer Rattan Singh jumped into the water. Although Cook Shingate was fast drifting away, he swam upto him, caught him by the neck and brought him back near the launch where both of them were picked up.

In this action, Petty Officer Rattan Singh displayed presence of mind and courage of a high order.

 RANDHIR SINGH, No. 094578A.
 Seaman (First Class), Clearance Diver (Second Class), Indian Navy.

Randhir Singh, who joined the Navy as a Seaman Boy in April, 1968, became a full fledged seaman. Later, he qualified as a Clearance Diver in August, 1969, where he has displayed initiative and professional skill in diving operations.

He was a member of the Diving Team which carried out urgent repairs to the Bhakra Dam Spilling basin from 26th May to 30th June, 1979. A massive chunk of debris, about 8 tons in weight, was causing concern to the Dam authorities as all other efforts to remove it had failed. On 9th June, 1979, Seaman Randhir Singh, carried out extensive and strenuous diving and succeeded in clearing the chunk.

In this action, Seaman Randhir Singh, displayed professional skill, determination and devotion to duty of an exceptional order.

## 7. SURINDER KUMAR, No. 106722, Seaman II (Ship's Diver), Indian Navy.

Surinder Kumar joined the Navy as a direct entry Seaman in September, 1976. He qualified as a Ship's Diver in 1978.

During the Annual NCC Day Regatta at Okhla, one of the floating tableaux was involved in an accident on 17th January, 1979. As a result, a number of women, children and NCC cadets fell into the Jamuna river. While all others who had fallen into the river were rescued, a child was missing. Surinder Kumar, who was on rescue duty, dived repeatedly and made a thorough search of the river bed under difficult and dengerous conditions, caused by reeds and strong under-water current. He was eventually successful in recovering the body of the unfortunate child who was the only victim of this tragedy.

In this action, Seaman Surinder Kumar, displayed courage, professional skill and devotion to duty of an exceptional order.

Deputy Secy. to the President

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

## (COMPANY LAW BOARD)

New Delhi, the 25th May 1981

#### ORDER

No. 27 (26) 81-CL-II.—In pursuance of Clause (ii) of subsection (1) of Section 209-A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby authorises Shri J. R. Bohra, Assistant Inspecting Officer in the Department of Company Affairs for the purposes of the Sald Section 209-A.

K. R. A. N. IYER, Under Secy.

#### MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS & FERTILIZERS

#### (DEPARTMENT OF PETROLEUM)

New Delhi, the 21st May 1981

#### RESOLUTION

No. 17014/10/80-P.C.-II. - A Task Force was constituted vide Resolution No. 43011/27/78-P.C.-II dated the 28th October, 1930 to make recommendations on the establishment of down stream industries based on the products from Bongaigaon Refinery and Petrochemicals Limited and submit its Report within six months.

The Government of India have decided to extend the date of submission of the Report by the Task Force by another three months upto the 27th July, 1981.

#### ORDER

Ordered that a copy of the resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

P. P. GUPTA, Deputy Secy.

### (DEPARTMENT OF CHEMICALS & FERTILIZERS)

New Delhi, the 15/20th April 1981

#### RESOLUTION

No. E-11014/2/77-Hindi.— In supersession of the Ministry of Potroleum, Chemicals & Fertilizers Resolution of even number dated 17th April, 1979, Govt. of India have decided to reconstitute the Hindi Salahkar Samiti for the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers, as under :-

## COMPOSITION

- 1. Minister of Petroleum, Chemicals & Fertilizers . Chairman
- 2. Minister of State for Petroleum, Chemicals & Fertilizers . . Vice-Chairman

### Members of Lok Sabha and Rajya Sabha

3. To be nominated 4, by the Deptt, of	) (Rajya Sabha) { (Rajya Sabha)	-	Member Member
5. Parliamentary	(Lok Sabha)	:	Member
6. Affairs -	(Lok Sabha)		Member

7. Shri Om Mehta (Rajya Sabha) (Member of Member 8. Shri Guru Dev (Rajya Sabha) Parliamentry Member Gubta

#### Non-Official Members (From Hindi Institutions)

9.	Shri Jainendra Kumar Jain	Member
	7/8. Darya Gani, Delhi-6.	

- Shri Akshya Kumar Jain, C/47, Gulmohar Park, New Delhi. Member
- 11. Shri V. P. Vedic Nav Bharat Times, Bahadur Shah Zafai Marg, Member New Delhi.

12. Shri V. Radha Krishna Murti,	Member
B. O. L., Chief Secretary,	
Dakhin Bharat Hindi Prachar Sabha,	
Tyag Raj Nagar, Madras-600017	
Madras-600017	

13. Prof. Sher Singh H-14, Saket, New Delhi. Member

Dr. Shant Kumar Sarraf, Chemical Engineering Deptt. Roorkee University, Roorkee.

Member

#### Ex-Officio Members

- 15. Secretary Raj Bhasha Vibhag and Hindi Advisor to the Govt. of India. Member
- 16. Secretary, Department of Petroleum Member
- 17. Secretary, Department of Chemicals Member & Fertilizers
- 18. Joint Secretary (Chairman, Official Member Language Committee), Deptt. of Petro-1eum
- 19. Dr. Guru Baksh Singh, Member Vice-Chancellor, Delhi University, Delhi.
- Joint Secretary Member (Deptt. of Official Language)
  Representatives of the Public Sector
  Administrative Control of this Ministry Undertukings under the

## 21. Chairman & Managing Director. Member

- Bharat Petroleum Corporation, Bombay.
- Member
- Managing Director, Cochin Refineries Ltd., Ammbala Mughai (Kerala State)
- Member
- Chairman & Managing Director, Engineers' India Ltd., New Delhi. 24. Chairman & Managing Director, Hindustan Petroleum Corporation, Bombay.
- Member
- 25, Chairman Indian Oil Corporation, New Delhi.
  - Member
- 26. Chairman & Managing Director, Indian Petro-Chemicals Corporation Ltd., Baroda,
  - Member Member
- 27. Chairman, Oil & Natural Gas Commission, Dehradun.
- Member
- 28. Managing Director, Petrofiles Co-operatives Ltd., New Delhi. 29. Chairman & Managing Director,

New Dolhi.

- Member
- New Delhi. 30. Chairman & Managing Director, National Fertilizers Ltd.,

Fertilizer Corporation of India Ltd...

- Member
- Chairm in & Managing Director, Fertilizers & Chemicals Travancore Ltd., Udyoga Mandal (Alwaye), Kerala. Member
- 32. Chairman & Managing Director, Member Indian Drugs & Pharmaceuticals Ltd.,
- Gurgaon (Haryana).
- 33. Managing Director, Pyrites Phosphates & Chemicals Ltd., Member New Delhi.
- 34. Chairman and Managing Director, Hindustan Insecticides Ltd., New Delhi,
- Member

Member

- 35. Managing Director, Hindustan Antibiotics Ltd. Puna (Maharashtra).
- Joint Secretary and Financial Advisor, (Chairman, Official Language Implementation Committee), Member-Secy. Departments of Chemicals & Fertilizers.

#### 2. Functions

The functions of the Samiti will be to advise the Ministry of Potroleum, Chemicals & Fertilizers and its Attached Offices and Public Sector Undertakings on matters relating to Progressive use of Hindi for Official purposes and allied issues felling within the frame work of the policy laid down by the Ministry of Home Affairs.

#### 3. Tenuce

The terms of the Samiti will be three years from the date of its composition provided that :--

- (a) a member, who is a Member of Parliament, ceases to be a member of the Samiti as soon as he ceases to be a Member of Parliament.
- (b) Ex-Officio members of the Samiti shall continue as members as long as they hold office by virtue of which they are the members of the Samiti;
- (c) If a vacancy arises on the Samiti due to resignation, death etc., of a member, the member appointed in that capacity shall hold office for the residual terms.

#### 4. General

- (i) The Samiti may co-opt additional members and invite experts to attend its meetings or appoint Sub-Committees as may be considered necessary.
- (ii) The headquarter of the Samiti shall be at New Delhi but it may hold its meetings at any other station also.

#### 5. Travelling and Other Allowances

The non-official members will be paid travelling and daily allowances for attending the meetings of the Samiti and the Sub-Committee of the Samiti at the rates fixed by the Government of India from time to time.

#### ORDER

ORDFRED that a copy of this Resolution be communicated to all the members of the Samiti, All Ministries/Departments of the Government of India, All State Govt. and Union Territory Administration, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat Planning Commission, President's Secretariat, Parliamentary Committee on Official Languages, Comptroller and Auditor General of India and Pay and Accounts Offices as well as Public Sector Undertakings under the control of the Departments of Petroleum and Chemicals & Fertilizers.

 $O_{RDERED}$  also that the Resolution be published in the Gazette of India for General information.

V. KUMAR, Joint Secy.

## MINISTRY OF AGRICULTURE

## (DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION)

New Delhi, the 20th May 1981 RESOLUTION

No. 43-28'74-L.D.T.—In supersession of this Ministry's Resolution of even number dated 29-6-1978, the Government of India have decided to reconstitute the Central Poultry Development Advisory Council for a period of two years w.e.f, 1-5-1981.

2. The composition of the Council will be as under :-

J. Chairman: Minister

Minister of Agriculture, Rural Reconstruction & Irrigation.

II. Vice Chairman:

Minister of State for Agriculture & Rural Reconstruction.

## 111. Members:

- (i) Secretary (A & C)
- (ii) Additional Secretary (ADF).
- (iii) Animal Husbandry Commissioner.
- (iv) Director, Central Avian Research Institute, Izat-nagar.
- (v) Dr. Harbhajan Singh, President, Executive Committee, Pumph Livestock Farmers' Union.
- (vi) Shri K. Ramachandra Reddy, President, Andhra Pradesh Poultry Federation.

- (vii) President, Eastern India Association of Poultry Industry, 57-B, Townshard Road, Calcutta.
- (viii) Chairman, Andhia Pradesh State Meat and Poultry Development Corporation Ltd.
  - (ix) Chairman, Gujarat Poultry Marketing Federation.
  - (x) Chairman, The Compound Livestock Feeds Manufacturers Association.
- (xi) Shri B. V. Kao, Managing Director, Venkateshwara Hatcheries Private Ltd., Punc.
- (xli) Manager, Poultry Marketing Division, NATED.
- (xiii) Member Secretary—joint Commissioner (Poultry-Department of Agriculture and Cooperation Government of India.
- 3. The members at S. No. (v) to (xi) will serve the Council for a period of two years,
- 4. The Government of India may nominate from time to time additional members to represent interests not already represented on the Council.
- 5. The Council will be an advisory body and will have the following functions:
  - To consider from time to time, the poultry development programmes formulated by Central and State Governments;
  - To consider and review the progress of poultry development programmes in the context of targets Ind down and to recommend measures for accelerating the tempo, wherever necessary;
  - (3) To consider and review the problems of poultry breeding, nutrition, disease control, technology, marketing, trade, etc. including price and to make suggestions for improvement; and
  - (4) Any other function, which may from time to time be assigned by the Government of India to the Council.
- 6. The Council will must periodically at such time and place as may be decided by the Chairman.
- 7. The Council may, by resolution, appoint Committees for advising it in connection with problems relating to Poultry Breeding, Feeds, Marketing, Disease Control, Equipment Manufacture and for any other purposes as it may think fit.

## ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Government, Administration of Union Territories and the Departments of the Ministries of the Government of India.

2, Ordered also that the Resolution be published in the Gizette of India for general information.

S. P. MUKHERJI, Additional Secy.

# MINISTRY OF EDUCATION & CULTURE (DFPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 16th May 1981

No. F. 9-3/78-U.-3.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956), the Central Government, on the advice of the Commission, hereby declare that the Dayalbagh Educational Institute Agra, comprising of DEI Women's Training College, DEIREI Degree College and DEI Engineering College, Dayalbagh shall be deemed to be a University for the purpose of the aforesaid Act.

No. F. 18-6/81-U. 5.—Under Rules 3 & 6 of the Memorandum of Association and Rules of the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, the following are nominated as members of the Indian Council of Social Science Research, for the period ending 31-3-1984:—

 Dr. (Mrs.) Madhuri R. Shah, Chairman, University Grants Commission, New Delhi.

Member

- Shri O. P. Gautam,
   Director General,
   Indian Council of Agricultural Research,
   New Delhi.
- Prof. M. S. Gore, Director, Tata Institute of Social Sciences, Bombay.
- Dr. A. K. Sengupta, Additional Secretary to the Prime Minister, New Delhi.

M. R. KOLHATKAR, Jt. Secy.

Member

#### MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 15th May 1981

No. Q-16012/3/79-W.E.—Whereas the Central Board for Workers' Education was established in 1958 under the Societies Registration Act 1860 (21 of 1860).

And Whereas in pursuance of Rule 3 of the Rules & Regulations of the Central Board for Workers' Education, the Government of India notified composition of the said Society vide Notification No. E&P-4(24)/58 dated the 12th December, 1958.

And whereas Rule 36 of the Rules & Regulations of the said Society provides for its alteration or expansion;

Now in pursuance of Rule 36 aforesaid Government of India hereby reconstitute the Central Board for Workers' Education and notify for information of the public that the reconstituted Society shall consist of the following persons namely:

 Shri G. Ramanujam, Chairman General Secretary, INTUC Nominated by Government of India.

## Representatives of the Govt. of India

- Shri R. K. A. Subrahmanya, Member Additional Secretary, Ministry of Labour.
- 3. Representative of Ministry of Finance Member
  4. Representative of Member

4. Representative of Ministry of Education Representatives of State Governments

- 5. Secretary to the Govt. of Orissa, Labour Department, Bhubneswar.
- 6. Secretary to the Govt. of Kerala, Member Trivandrum.
- 7. Secretary to the Govt. of Maharashtra Member Labour Department, Bombay.
- 8. Secretary to the Govt. of Haryana, Member Labour Department, Chandigarh.

## Representatives of Employers

- 9. Shri R. L. N. Vijayanagar, Member Secretary General,
  The Bombay Mill-Owners'
  Association, Elphinstone Building,
  Veer Nariman Road,
  Bombay-400023.
- 10. Shri B. M. Sethi, Member Secretary,
  All India Organisation of Employers,
  Federation House, Tansen Marg,
  New Delhi.
- 11. Shri P. T. Shah,
  All India Manufacturers' Organisation,
  Hemand Industries,
  269, G. f. D. C.,
  Industrial Estate,
  Makarpura, Baroda-390010.
- 12. Shri Narendra Kalantri, Member President, Federation of Associations of Small Industries of India, Kalantri Building, 107, Ameenabad Road, Lucknow.

 Dr. B. L. Wadehra, Chairman and Managing Director, Central Coal-fields Ltd., Darbhanga House, Ranchi-834001.

#### Representatives of workers

Representating Central Trade Union Organisation

- 14. Shri A. T. Bhosale, Member Vice-President—INTUC, C/o Rashtriya Mill Mazdoor Sangh, G. D. Ambedkar Marg, Parel, Bombay-400012.
- 15. Shri B. K. Das,
  Director,
  Institute for Miners' & Metal Workers'
  Education,
  9, Lajpatrai Sarani,
  Calcutta-700020 (INTUC),
- Dr. (Mrs.) Priti Lata Tripathi, Member
   Talkatora Road, New Delhi. (INTUC).
- 17. Shri A. B. Bardhan, Member President Maharashtra Rajya State Committee of AITUC, Sadar, Nagpur.
- 18. Shri A. M. Govindarajan, Member General Secretary,
  Tamil Nadu State Committee of
  AITUC,
  Door No. 25, Block 'P',
  E.W.S. Quarters,
  South Boag Road,
  Madras-600017.
- 19. Shri G. K. Athwale, Advocate, Member Girlpeth, Nagpur-440010. (B.M.S.).

## Representative of U.G.C.

20. Prof. G. S. Bhalla, Head, Member Centre for the Study of Regional Development, Jawaharlal Nehru University, New Delhi.

## Representative of Indian Adult Education Association

21. Dr. T. A. Koshy, Member Hony. General Secretary, Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Marg, New Delhi-110002.

The names of three more representatives of Workers and the members to be co-opted will be notified later.

Director, Central Board for Workers' Education will be Secretary to the Board.

BHASKAR BARUA, Director

### MINISTRY OF LABOUR

New Dolhi, the 2nd May 1981

## RESOLUTION

No. V-24035/1/80-W.B.—It has been brought to the notice of Government that the wage levels in the Mica industry are low as compared to those obtaining in other comparable industries such as coal mining. Government have therefore decided to constitute a Committee to review the wage structure in the industry and to recommend the rates of wages and allowances considered appropriate keeping in view the capacity of the industry to pay and other relevant factors. The Committee shall be composed as follows:—

 Shri R. K. A. Subrahmanya, Additional Secretary, Ministry of Labour, New Delhi.

Chairman

<ol> <li>Shri N. K. Panda, Joint Secretary, Department of Expenditure, New Delhi.</li> </ol>	Member
3. Shri I. G. Jhingran, Joint Secretary, Department of Mines, New Delhi.	Member
4. Kum. K. P. Sarojini, Legal Adviser, Ministry of Labour, New Delhi.	Member

The terms of reference of the Committee would be:

to determine the categories of employees employed in the mica industry, and

(b) to work out a wage structure applicable to them based on principles of fair wages as set forth in the report of the Committee on Fair Wages.

### ORDER

ORDERED that the copy of the Resolution be communicated to:

- 1. All State Governments and Union Territories.
- 2. All Ministries/Departments of the Government of India, Planning Commission, Programme Evaluation Organisation and the Committee on Plan Projects.
- 3. All India Organisation of Employers and Workers.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

SHASHI BHUSHAN, Under Secy.